कृषि इंजीनियर और भारत कृषि

मुकुल वार्ष्णेय

क्षेत्रीय निदेशक संचार, जॉन डियर

कृषि इंजीनियर और स्नातक अभिनव, विश्वसनीय और बेहतर समाधान लाने में अग्रणी रहे हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान (सीआईएई), राज्य कृषि विश्वविद्यालय और अन्य कृषि शैक्षणिक संस्थानों जैसे संस्थानों ने भारत की कृषि आधुनिकीकरण की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उद्योग इन प्रतिभाओं, कौशल और ज्ञान को और निखारकर किसानों के लिए अद्वितीय समाधान लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पिछले पाँच दशकों में भारतीय खेतों के समाधानों में- बहुत ही देहाती मैनुअल समाधानों से लेकर आज मैकेनिकल, हाइड्रोलिक असिस्टेड, इलेक्ट्रो-मैकेनिकल और पूरी तरह से इलेक्ट्रॉनिक रूप से नियंत्रित स्मार्ट समाधान तक नाटकीय बदलाव आया है।

निस्संदेह, कृषि उत्पादकता, स्थिरता, खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए सरकार - शोधकर्ताओं - शिक्षाविदों और उद्योग के बीच एक मजबूत साझेदारी की आवश्यकता है जिससे देश भर के लाखों किसानों को लाभ होगा। एकीकृत उन्नति के लिए 'फसल मूल्य श्रृंखला में' एक संपूर्ण समाधान के लिए यह आवश्यक है। कृषि इंजीनियर और स्नातक कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं, जिनमें बीज, रसायन और उर्वरक, भूमि की तैयारी - फसल की देखभाल - कटाई और कटाई के बाद की तकनीकें, मौसम संबंधी सलाह, फिनटेक, भंडारणध्लॉजिस्टिक्स समाधान और सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र शामिल हैं। इंजीनियर भविष्य की जरूरतों, तकनीकी प्रगति और सबसे महत्वपूर्ण

रूप से स्थिरता को एक प्रमुख मानदंड के रूप में रखने के प्रति संवेदनशील हैं। इन नवाचारों और बेहतर समाधानों ने किसानों को अधिक कुशलता से बड़े क्षेत्रों में खेती करने में सक्षम बनाया है, जिससे फसल की पैदावार में वृद्धि हुई है और श्रम लागत कम हुई है। सरकार की रूपरेखा और नीतियों के साथ-साथ ज़टज्ञ द्वारा किए गए शानदार काम भारतीय कृषि के आधुनिकीकरण के लिए उत्प्रेरक साबित हो रहे हैं। इसके अलावा, सटीक कृषि, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), कंप्यूटर विजन और मशीन लर्निंग (सीवीएमएल) और रिमोट सेंसिंग (आरएस) सहित डेटा-संचालित दृष्टिकोणों को अपनाने से किसानों को अधिक सूचित निर्णय लेने के लिए वास्तविक समय के डेटा तक पहुँच मिलती है। इससे फसल प्रबंधन में सुधार, कुशल संसाधन आवंटन और अधिक लाभप्रदता होती है। कृषि स्नातक और अन्य क्षेत्रीय विशेषज्ञ भी टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देकर पर्यावरण संबंधी

चिंताओं को दूर करते हैं। मृदा संरक्षण, कृषि वानिकी और जैविक खेती जैसे क्षेत्रों में अभ्यास कृषि के पारिस्थितिक पदचिह्न को कम करने के लिए विकसित किया जा रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भावी पीढ़ियाँ फल-फूल सकें।

इन प्रगति के साथ तालमेल बिठाते हुए, जॉन डीरे उत्पादकता और लाभप्रदता में सुधार करने के लिए कृषि समुदायों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से तकनीकी रूप से उन्नत उत्पादों और समाधानों को पेश करके लगातार नवाचार करता है। परिशुद्धता और एआई आधारित समाधानों पर हमारा ध्यान मशीन के प्रदर्शन को बढ़ाता है और हमारे ग्राहकों के लिए स्थायी परिणाम प्रदान करता है। भारत में पिछले 26 वर्षों में, हमने पावर स्टीयरिंग, पावर रिवर्सर, एमएफडब्ल्यूडी और अब स्मार्ट कनेक्टेड मशीनों जैसी पहली-बाजार प्रौद्योगिकियों की विशेषता वाले विशिष्ट उत्पाद पेश किए हैं।

जैसे-जैसे भारत मशीनीकृत और टिकाऊ कृषि को अपना रहा है, तकनीकी रूप से उन्नत ट्रैक्टर और कृषि उपकरण 'कृषि समुदायों' के आर्थिक विकास का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन जरूरतों को समझते हुए, जॉन डियर बाजार में अनूठी विशेषताएं और समाधान लाता है। हाल ही में, जॉन डीरे ने पावर एंड टेक्नोलॉजी 6.0 इवेंट के दौरान लॉन्च किए गए शक्तिशाली 130 एचपी 5130 एम ट्रैक्टर और 5042डी गियरप्रो जैसे अभिनव समाधान पेश किए। 14 फरवरी, 2025 को लॉन्च किया गया 5130 एम ट्रैक्टर अपनी श्रेणी में सबसे शक्तिशाली है, जिसे पावर, इनोवेशन और उपयोगकर्ता के आराम के संयोजन के माध्यम से देश में खेती के तरीकों में क्रांति लाते हुए, कठिन कार्यों को आसानी से संभालने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अतिरिक्त, प्रदर्शन को बढ़ाने, उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने और ग्राहक वफादारी को बढ़ावा देने के लिए 5042डी गियरप्रो, 5045डी, 5050डी गियरप्रो लिफ्ट प्रो और 5210 पर्मा क्लच जैसे मॉडल लॉन्च किए गए हैं।

भारत में कृषक समुदाय के जीवन की गुणवत्ता में सुधार और सतत कृषि विकास के लिए उत्पादकता बढ़ाने, परिचालन लागत को कम करने और अंतिम मील कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए निरंतर ध्यान और प्राथमिकता की आवश्यकता होगी। जैसे-जैसे भारत विकसित होता जा रहा है, शिक्षाविदों, उद्योग और सरकार के साथ समन्वय में कृषि इंजीनियर का योगदान खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण बना रहेगा।

डीयर एंड कंपनी यूएसए की सहायक कंपनी के रूप में, जॉन डीयर इंडिया के पास कृषि, निर्माण और सड़क निर्माण उपकरणों में अत्याधुनिक उत्पादों और नेतृत्व के साथ ग्राहकों की सेवा करने की 187 वर्षों से अधिक की समृद्ध विरासत है।